शोध सारांशिका

मिहान(Multi-Model International Cargo Hub and Airport at Nagpur), महाराष्ट्र विमानन विकास कंपनी लिमिटेड की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके अंतर्गत डॉ. बाबासाहब आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उन्नयन, आधुनिकीकरण, संचालन एवं रखरखाव शामिल है। जिससे कि इस हवाई अड्डे को एक कार्गो एवं यात्री हब के रूप में विकसित किया जा सके। मिहान परियोजना में दो चीजें है जिसमें पहला मिहान विमानन सेज एवं दूसरा बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र है। विमानन सेज के अंतर्गत विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं ईंधन की सुविधा उपलब्ध होगी। नागपुर भारत के मध्य में स्थित है तथा यह यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण अफ्रीका और उत्तर-पूर्व एशिया के हवाई मार्ग के बीच में स्थित है। इससे इस मार्ग से गुजरने वाले हवाई जहाज रुकेंगे, जिससे विमानन कारोबार का विकास होगा और भारतीय विमानन का 90% तक जो काम विदेशों में होता है, अब अपने ही देश में होगा। इससे एक तरफ तो विदेशी मुद्रा देश में आएगी और दूसरी तरफ विभिन्न भारतीय ऐरोनॉटिक्स इंजीनियरिंग छात्रों को रोजगार उपलब्ध होगा। नागपुर हवाई अड्डे को कार्गो के रूप में विकसित होने से यहाँ से निर्यात वस्तुओं को जल्दी बाहर भेजने में मदद मिलेगी, क्योंकि भारत कृषि जिंस का एक बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है और देश से कृषि उपजों का निर्यात करने की भारी संभावना बरक़रार है। इसलिए इसको कार्गो हब के रूप में विकसित करने से भारत के मूल्यवर्धन और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाने की व्यापक संभावना है।

मिहान विमानन सेज के साथ मिहान बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र को मिहान हवाई अड्डे के बगल में स्थापित किया जा रहा है। जिसमें सूचना प्रोद्योगिकी पार्क, विश्वस्तरीय अस्पताल, विनिर्माण इकाई एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय शामिल है। वर्तमान में मिहान के अंदर विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी जैसे इन्फोसिस, टीसीएस और टेक महिंद्रा कार्यरत है और सूचना प्रौद्योगिकी पार्क का विकास शापोरेजी पालौजी समूह द्वारा किया जा रहा है। विभिन्न विनिर्माण इकाईयाँ एवं खाद्य प्रसंस्करण केंद्र स्थापित हो रहे हैं। जिससे नागपुर क्षेत्र के इंजीनियरिंग छात्रों के साथ देश के इंजीनियरिंग छात्रों एवं कौशल युक्त श्रमिकों को रोजगार का अवसर उपलब्ध होगा। देश की निर्यात क्षमता में वृद्धि होगी। मिहान के स्थापित होने से नागपुर के आसपास के क्षेत्रों में अवसंरचना के विकास के कारण विभिन्न पूरक उद्योग एवं आर्थिक गतिविधियों में भी तेज वृद्धि होगी, जिससे नागपुर की प्रगति के साथ देश का आर्थिक विकास भी तेजी से होगा।